सं० शि० - साजन कुमार
एम० बी० एस० एस०
कॉलेज बेगूसराय

चतुर्थ प्रश्न पत्र
भू-धातु लुट् लकार
प्रथम पुरूष

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरूष	भविता	भवितारौ	भवितारः

1) भविता (प्रथम पुरूष एकवचन)

- 'अनद्यतने लुट्' से लुट् लकार - भू + लुट्
- 'लुट्' के अनुबन्धों को हटाने पर - भू + ल्
- कर्त्ता के प्रथम पुरूष एकवचन की विवक्षा में - भू + तिप्
- 'स्यतासी लृलुटोः' से 'तासि' का विकरण - भू + तासि + तिप्
- 'तासि' के 'इ' की इत्संज्ञा व लोप - भू + तास् + तिप्
- आर्धधातुकस्येड् वलादेः' से 'इट्' का आगम - भू + इतास् + तिप्
- सार्वधातुकार्धधातुकयोः' से इगन्त 'भू' को गुणादेश - भो + इतास् + तिप्
- एचोऽयवायावः' से 'ओ' का अव् - भव् + इतास् + तिप्
- मिलाने पर - भवितास् + तिप्
- लुटः प्रथमस्य डारौरसः' से 'तिप्' को 'डा' - भवितास् + डा
- 'डा' में 'ड्' की इत्संज्ञा व लोप - भवितास् + आ
- 'स' का लोप - भविता + आ
- दीर्घ सन्धि करने पर - भविता

2) भवितारौ (प्रथम पुरूष द्विवचन)

- 'अनद्यतने लुट्' से लुट् लकार - भू + लुट्
- 'लुट्' के अनुबंधों को हटाने पर - भू + ल्

=> कर्त्ता के प्र० पु० द्विवचन की विवक्षा में - भू + तस्
=> 'स्यतासीलृलुटोः' से 'तासि' का विकरण - भू + तासि + तस्
=> 'तासि' के 'इ' की इत्संज्ञा व लोप - भू + तास् + तस्
=> 'आर्धधातुकस्येड्वलादेः' से 'इट्' का आगम - भू + इतास् + तस्
=> 'सार्वधातुकार्धधातुकयोः' से इगन्त 'भू' को गुण - भो + इतास् + तस्
=> 'एचोऽयवायावः' से 'ओ' को अव् - भव् + इतास् + तस्
=> मिलाने पर - भवितास् + तस्
=> 'लुटः प्रथमस्य डारौरसः' से 'तस्' को 'रौ' आदेश - भवितास् + रौ
=> 'रि च' से 'तास्' के 'स्' का लोप - भविता + रौ
=> मिलाने पर रूप सिद्ध - भवितारौ

3) भवितारः (प्रथम पुरुष बहुवचन)

=> 'अनद्यतने लुट्' से लुट् लकार - भू + लुट्
=> लुट् के अनुबंधों को हटाने पर - भू + ल्
=> कर्त्ता के प्र० पु० बहुवचन की विवक्षा में - भू + झि
=> 'स्यतासीलृलुटोः' से 'तासि' का विकरण - भू + तासि + झि
=> 'तासि' के 'इ' की इत्संज्ञा व लोप - भू + तास् + झि
=> 'आर्धधातुकस्येड् वलादेः' से 'इट्' का आगम - भू + इतास् + झि
=> 'सार्वधातुकार्धधातुकयोः' से इगन्त भू को गुण - भो + इतास् + झि
=> 'एचोऽयवायावः' से 'ओ' को अव् - भव् + इतास् + झि
=> मिलाने पर - भवितास् + झि
=> 'लुटः प्रथमस्य डारौरसः' से 'झि' को रस् आदेश - भवितास् + रस्
=> 'रि च' से तास् 'स्' का लोप - भविता + रस्
=> 'ससजुषो रुः' से 'र्' 'खरवसानयोः' से 'र्' को विसर्ग - भवितारः